# लियोनेल मेसी की हैट्रिक से इंटर मियामी की बड़ी जीत, जीता गोल्डन बूट

- 29 गोल और गोल्डन बूट के साथ मेसी ने फिर दिखाया जादू
- मेसी ने मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी को नैशविले पर 5-2 से जीत दिलाई

**नैशविले (अमेरिका), 19 अक्टूबर. स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने मेजर लीग सॉकर में अपने करियर की दूसरी हैट्रिक लगाते हुए इंटर मियामी को नैशविले एससी पर 5-2 से शानदार जीत दिलाई. इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ मेसी ने गोल्डन बूट का खिताब भी अपने नाम कर लिया.**

मेसी ने कुल 29 गोल दागकर शीर्ष स्कोरर का स्थान हासिल किया. उन्होंने लॉस एंजिल्स एफसी के डेनिस बोंगा और नैशविले एससी के सैम सरिज को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 24-24 गोल किए. इसके अलावा, मेसी ने पूरे अभियान में 19 असिस्ट भी किए, जिससे उनका यह सीजन बेहद सफल रहा. मेसी इंटर मियामी के लिए गोल्डन बूट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं, और 2021 में न्यूयॉर्क सिटी एफसी के लिए यह पुरस्कार जीतने वाले वालेंटिन कैस्टेलानोस के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले अर्जेंटीनी भी हैं.

शनिवार रात खेले गए इस मैच में मेसी ने 35वें मिनट में गोल दागकर इंटर मियामी को 1-0 की बढ़त दिलाई. नैशविले ने पहले हाफ में वापसी करते हुए सैम सरिज (43वें मिनट) और जैकब शैफलबर्ग (45+6 मिनट) के गोल से 2-1 की बढ़त बना ली. हालांकि, दूसरे हाफ में मेसी का जादू चला. 63वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर उन्होंने स्कोर 2-2 से बराबर किया. इसके तुरंत बाद, बाल्तासार रोड्रिगेज ने 67वें मिनट में गोल कर मियामी को 3-2 से आगे कर दिया.

मेसी ने 81वें मिनट में बाएं पैर से शानदार शॉट लगाते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की और टीम की बढ़त 4-2 कर दी. अतिरिक्त समय के पहले मिनट में, तेलास्को सेगोविया ने पांचवां गोल दागकर इंटर मियामी की 5-2 से जीत सुनिश्चित कर दी.

इंटर मियामी के डिफेंडर इयान फ्रे ने मेसी की प्रशंसा करते हुए कहा, यह स्पष्ट है कि वह हर रात हमें एक फायदा देते हैं. उनके बारे में कहने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं.

### प्लेऑफ में फिर आमना-सामना

नियमित सीज़न के बाद, इंटर मियामी 19-7-8 के रिकॉर्ड के साथ ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में नंबर 3 स्थान पर रही, जबकि नैशविले 16-12-6 के रिकॉर्ड के साथ नंबर 6 स्थान पर है. दोनों टीमें अब प्लेऑफ के पहले राउंड में एक-दूसरे का सामना करेंगी. चैंपियन का ताज 6 दिसंबर को पहनाया जाएगा. मेसी अब लीग के पहले ऐसे खिलाड़ी बनने की ओर भी अग्रसर हैं जो लगातार एमवीपी पुरस्कार

# ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया

### रोहित-कोहली की वापसी बेअसर

**26** | 26 ओवर में 9 विकेट पर 136 रन बनाए भारत ने

**131** | रनों का संशोधित लक्ष्य मिला ऑस्ट्रेलिया को

**पर्थ, 19 अक्टूबर. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला रविवार को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेला गया, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम ने सात विकेट से शानदार जीत हासिल की. बारिश से बाधित यह मुकाबला 26-26 ओवरों का कर दिया गया था. इस मैच में भारत ने 9 विकेट पर 136 रन बनाए, जिसके जवाब में डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (छ्रुरू-) नियम के तहत ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 131 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला, जिसे उसने 21.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया.**

युवा शुभमन गिल का यह बतौर वनडे कप्तान पहला मुकाबला रहा, जो यादगार नहीं बन सका.

वहीं, चोट के कारण पैट कमिंस की अनुपस्थिति में मिचेल मार्श ने ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी संभाली.इस मुकाबले से टीम इंडिया के दो दिग्गज खिलाड़ी, विराट कोहली और रोहित शर्मा की मैदान पर वापसी हुई, लेकिन %रोको% की यह वापसी यादगार नहीं रही. रोहित शर्मा 14 गेंदों पर 8 रन बनाकर आउट हुए, जबकि विराट कोहली 8 गेंद खेलकर अपना खाता भी नहीं खोल सके. कप्तान शुभमन गिल भी 10 रन बनाकर चलते बने.

**अक्षर और राहुल ने दिलाई सम्मानजनक स्कोर:** टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही. शुरुआती झटकों के बाद, केएल राहुल और अक्षर पटेल की सधी हुई पारियों के दम पर टीम इंडिया सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही. राहुल ने 31 गेंदों पर दो चौके और दो छक्के की मदद से 38 रन बनाए, वहीं अक्षर पटेल ने 38 गेंदों पर 3 चौकों के साथ 31 रनों का योगदान दिया.

### गिल ने कहा, कैच-अप मोड में रहे

मैच के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने शीर्ष क्रम के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की. गिल ने कहा, जब आप पावरप्ले में तीन विकेट खो देते हैं तो चीजें कभी आसान नहीं होतीं, आप हमेशा कैच-अप मोड में खेलने की कोशिश करते हैं. हालांकि, हमने 26 ओवर में 131 जैसे कम लक्ष्य का बचाव करते हुए खेल को काफी अंत तक खींचा, जिससे हमें कुछ सीख और सकारात्मक पहलू मिले हैं. उन्होंने बड़ी संख्या में समर्थन करने आए भारतीय प्रशंसकों का भी आभार व्यक्त किया.

### मिचेल मार्श की नाबाद पारी ने दिलाई जीत

131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कंगारू टीम को पहला झटका अर्शदीप सिंह ने दिया, जिन्होंने ट्रेविस हेड (8 रन) को आउट किया. इसके बाद कप्तान मिचेल मार्श ने नाबाद पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया की जीत आसान कर दी. मार्श ने 52 गेंदों का सामना करते हुए 2 चौके और तीन छक्कों की मदद से 46 रन* बनाए. उन्हें जोश फिलिप (37 रन) और *मैथ्यू रेनशॉ (21)** का बखूबी साथ मिला. ऑस्ट्रेलिया ने 21.1 ओवरों में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया.अर्शदीप सिंह भारत की ओर से एकमात्र विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे.

### तीन खिलाड़ियों का हुआ वनडे डेब्यू

इस मुकाबले में भारत की ओर से ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने अपना वनडे डेब्यू किया. दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए मिचेल ओवेन और मैथ्यू रेनशॉ ने भी वनडे इंटरनेशनल में पदार्पण किया.दूसरा वनडे मुकाबला अब 23 अक्टूबर (गुरुवार) को एडिलेड में खेला जाएगा.

**भारत की प्लेइंग-11:** रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह.

**ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11:** ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश फिलिप (विकेट कीपर), मैथ्यू रेनशॉ, कूपर कोनोली, मिचेल ओवेन, मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस, मैथ्यू कुह्नमैन और

## डकवर्थ को हराकर अल्माटी ओपन के फाइनल में पहुंचे मेदवेदेव

**अल्माटी.** दानिल मेदवेदेव ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर जेम्स डकवर्थ को 6-7 (8), 6-3, 6-2 से हराकर 2025 अल्माटी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया. डकवर्थ, जिन्होंने क्वालीफाइंग से पहले दो वरीय खिलाड़ियों को हराया था, ने शुरुआती सेट में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी, दो सेट पॉइंट बचाए और फिर टाईब्रेक में 10-8 से जीत हासिल की. लेकिन मेदवेदेव ने जल्द ही वापसी की और दूसरे सेट में दो बार और तीसरे सेट की शुरुआत में फिर से सर्विस ब्रेक किया, क्योंकि बेसलाइन से उनकी लगातार सर्विस ने 33 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को पछाड़ दिया. दूसरे सेमीफ़ाइनल में, फ़्रांस के कोरेंटिन मौटेट अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन को 7-5, 6-4 से हराकर आगे बढ़े. उन्होंने अपनी विविधता और नियंत्रण के दम पर 20 वर्षीय खिलाड़ी की ताकत को कमज़ोर कर दिया.

# तन्वी को विश्व जूनियर में रजत

**नई दिल्ली, 19 अक्टूबर. भारतीय बैडमिंटन की उभरती खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2025 में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा. महिला एकल फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी को थाईलैंड की अन्यापत फिचितप्रीचासक के हाथों सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा. स्कोर रहा 7-15, 12-15.**

तन्वी शर्मा साइना नेहवाल और अपर्णा पोपट के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली केवल तीसरी भारतीय महिला शटलर बनीं. उनके इस रजत पदक के साथ भारत को 17 वर्षों में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पहला पदक मिला. इससे पहले साइना नेहवाल ने 2008 में स्वर्ण और 2006 में रजत, जबकि अपर्णा पोपट ने 1996 में रजत पदक जीता था.

**भारत को 17 साल में पहला पदक**

फाइनल का पहला गेम काफी कड़ा रहा, दोनों खिलाड़ी शुरुआती स्कोर 2-2 और 4-4 तक बराबरी पर रहीं. इसके बाद थाई खिलाड़ी ने तन्वी की कुछ गलतियों का फायदा उठाते हुए 10-5 की बढ़त बनाई और पहला गेम अपने नाम किया.

दूसरे गेम में तन्वी ने बेहतर शुरुआत की और 6-1 की बढ़त हासिल की, लेकिन थाई खिलाड़ी ने लगातार नेट खेल और दबाव के कारण स्कोर बराबर कर लिया. अंतत: फिचितप्रीचासक ने आत्मविश्वासपूर्ण खेल दिखाते हुए बढ़त बनाए रखी और गेम जीतकर विश्व जूनियर चैंपियन बन गई.

# रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को चार रनों से हराया

### इंग्लैंड की टीम महिला विश्वकप के सेमीफाइनल में

**इंदौर.** हीथर नाईट (109) के शानदार शतक के बाद आखिरी ओवरों में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने रविवार को महिला विश्वकप के रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम को चार रनों से हरा टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली.

289 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में प्रतिका रावल (छह) का विकेट गंवा दिया, 10वें ओवर में हरलीन देओल भी (24) रन बनाकर पवेलियन लौट गई. इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्मृति मंधाना के साथ तीसरे विकेट के लिए 125 रनों की साझेदारी की. 31वें ओवर में हरमनप्रीत कौर के आउट होने से भारत को तीसरा झटका लगा. हरमनप्रीत कौर ने 70 गेंदों में 10 चौके लगाते हुए 70 रन बनाये. टीम को जीत की ओर ले जा रही स्मृति मंधाना को लिंसी स्मिथ ने आउट किया. मंधाना ने 94 गेंदों में आठ चौके लगाते हुए 88 रनों की पारी खेली. 47वें ओवर में सोफी एकल्सटन ने दीप्ति शर्मा को आउटकर मैच को रोमांचक बना दिया. दीप्ति शर्मा ने 57 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 50 रन बनाये. स्मिथ ने मांधना का विकेट निकालकर इंग्लैंड को वापसी की राह दिखाई. दीप्ति ने शानदार पारी खेली लेकिन एकल्सटन के आखिरी ओवर में अपना विकेट गंवा बैठी. लॉरेन बेल ने 49वें ओवर की पहली गेंद पर चौका खाने के बाद भी केवल नौ रन दिए. भारतीय टीम निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 284 रन ही बना सकी और चार रनों से मुकाबला हार गई. यह भारतीय टीम की लगातार तीसरी हार है.

ऑस्ट्रेलिया की ओर से नैट साइवर ब्रंट ने दो विकेट लिये. सोफी एकल्सटन, लिंसी स्मिथ, लॉरेन बेल और शॉर्लेट डीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया. इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ओपनिंग साझेदारी में 73 रन जोड़े। हीथर नाईट ने 91 गेंदों में 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 109 रन की शानदार पारी खेली. ओपनर एमी जोन्स ने 68 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 56 रन बनाये.

## मेघना ने जीता इजिप्ट इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब

**काहिरा (मिस्त्र).** भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मेघना रेड्डी मरेड्डी ने मलेशिया की अनसीडेड जोआन एनजी को हराकर इजिप्ट इंटरनेशनल 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब अपने नाम किया. शनिवार को खेले गये फाइनल में 21 साल की मेघना रेड्डी ने मलेशिया की अनसीडेड जोआन एनजी को 38 मिनट तक चले मुकाबले में 21-15, 21-17 से हराया. यह मेघना रेड्डी का दूसरा अंतरराष्ट्रीय सीरीज खिताब है.

# लैला फर्नांडीज ने जापान ओपन का खिताब जीता

**ओसाका, जापान, 19 अक्टूबर. कनाडा की टेनिस स्टार लैला फर्नांडीज ने रविवार को जापान ओपन के रोमांचक महिला एकल फाइनल में चेक गणराज्य की किशोर खिलाड़ी टेरेज़ा वैलेंटोवा को 6-0, 5-7, 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया. यह इस साल उनका दूसरा और करियर का पाँचवाँ एकल खिताब है.**

दुनिया की 27वें नंबर की खिलाड़ी, 23 वर्षीय फर्नांडीज ने जुलाई में डीसी ओपन में मिली जीत के बाद इस टूर्नामेंट में भी ट्रॉफी जीतकर शानदार प्रदर्शन किया. ओसाका में हुए फाइनल मुकाबले में उन्होंने क्वालीफायर वैलेंटोवा की चुनौती को पार किया.

### तीन सेट का कड़ा मुकाबला

दाहिने जाँघ पर भारी पट्टी बाँधकर खेल रहीं फर्नांडीज ने 18 वर्षीय वैलेंटोवा के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहला सेट आसानी से 6-0 से अपने नाम कर लिया. यह वैलेंटोवा का पहला डब्ल्यूटीए फाइनल था और वह पहले सेट के बाद स्तब्ध दिखीं.हालांकि, चेक खिलाड़ी ने दूसरे सेट में ज़ोरदार वापसी की और मैच को बराबरी पर ला दिया.

# एशियाई चैंपियनशिप में भारत का दबदबा

- भारतीय रोइंग टीम ने जीते 10 पदक
- तीन स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य पदक

**हाई फोंग (वियतनाम), 19 अक्टूबर. भारतीय रोइंग टीम ने एशियाई रोइंग चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक जीते. इसमें तीन स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं.**

16 से 19 अक्टूबर तक वियतनाम के हाई फोंग में आयोजित इस चैंपियनशिप में 37 एथलीटों (25 पुरुष और 12 महिलाएं) ने भारत का प्रतिनिधित्व किया. 15 स्पर्धाओं में से भारत ने 10 में पदक अपने नाम किए. पुरुषों की क्वाड्रपल स्कल (एम 4एक्स) में कुलविंदर सिंह, नवदीप सिंह, सतनाम सिंह और जाकर खान की टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत के अभियान की शुरुआत शानदार ढंग से की. लाइटवेट पुरुष डबल स्कल (एलएम 2एक्स) में लक्ष्य और अजय त्यागी की जोड़ी ने स्वर्ण पदक हासिल किया.

वहीं पुरुषों की एकल स्कल (एम 1एक्स) में बलराज पंवार ने भी स्वर्ण पदक जीतकर भारत की विजय में योगदान दिया. पुरुषों की आठ (एम 8 प्लस) स्पर्धा में नितिन देओल, परविंदर सिंह, लखवीर सिंह, रवि, गुरप्रताप सिंह, भीम सिंह, जसविंदर सिंह, कुलबीर और किरण सिंह मैयोम की टीम ने रजत पदक जीता.

# सात्विक-चिराग डेनमार्क ओपन से बाहर

**चेन्नई, 19 अक्टूबर. भारत की पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी डेनमार्क ओपन 2025 के सेमीफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई. छठी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी ने कड़े मुकाबले में 21-23, 21-18, 21-16 से मात दी. यह मुकाबला 68 मिनट तक चला.**

होकी और कोबायाशी की यह भारतीय जोड़ी पर दूसरी जीत रही. ओडेन्स में खेले गए मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन निर्णायक क्षणों में जापानी खिलाड़ियों की सटीकता ने उन्हें जीत दिलाई.

पहले गेम में सात्विक और चिराग ने दमदार शुरुआत करते हुए 4-1 की बढ़त बनाई, लेकिन लगातार हुई गलतियों ने उन्हें नुकसान पहुंचाया. जापानी जोड़ी ने मौके का फायदा उठाते हुए 11-6 की बढ़त हासिल की. भारतीय जोड़ी ने वापसी की कोशिश की और स्कोर 12-13 तक पहुंचाया, लेकिन निर्णायक पलों में सात्विक की एक आसान गलती से पहला गेम जापान के नाम रहा. दूसरे गेम में चिराग की आक्रामकता और नेट पर नियंत्रण ने भारत को बढ़त दिलाई. सात्विक ने दो गेम प्वाइंट हासिल किए.

**शानदार प्रदर्शन** | कोच कृष्ण कुमार हुड्डा ने सामूहिक प्रयास और रणनीति को सफलता की वजह बताया

# तेलुगु टाइटंस नौ साल बाद प्लेऑफ में

### हुड्डा बोले- अब दिखेगा आक्रामक रूप

**नई दिल्ली, 19 अक्टूबर. प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में तेलुगु टाइटंस के समर्थकों का नौ साल का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है. टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पीकेएल सीजन 12 के प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है. शनिवार रात त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टाइटंस ने पुनेरी पलटन को 40-31 के बड़े अंतर से मात देकर यह उपलब्धि हासिल की.**

टाइटंस की इस ऐतिहासिक जीत में कप्तान विजय मलिक ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सुपर 10 पूरा किया. टीम के लिए यह सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि 2016 (पीकेएल 4) के बाद यह पहला मौका है जब तेलुगु टाइटंस ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है.

### सामूहिक प्रयास और रणनीति का नतीजा

इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर पर टीम के अनुभवी मुख्य कोच कृष्ण कुमार हुड्डा ने खुशी जाहिर की. यह उनके मार्गदर्शन में टीम का दूसरा सीजन है. हुड्डा ने पूरी टीम, खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह गेम जीतना बहुत जरूरी था. टीम कुछ वर्षों से प्लेऑफ में नहीं गई थी. मैं सभी का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने हमें इस स्थिति तक पहुँचाया. टीम की सफलता पर कप्तान विजय मलिक ने भी कोच के साथ सहमति जताते हुए कहा कि यह सामूहिक प्रयास का नतीजा है. मलिक ने सकारात्मक प्रदर्शन के पीछे के बदलावों को साझा किया, हमारे खेलने के तरीके में काफी बदलाव आए हैं. इस साल हम बेहतर कर रहे हैं, जिसका श्रेय हमारे अभ्यास के तरीके और कोच की रणनीति को जाता है. यह हमारे लिए सफल रहा है.